रयत शिक्षण संस्था संचलित,

सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड(स्वायत्त)

हिंदी अध्ययन मंडल

(Choice Based Credit System)

एम.ए. 1 सत्र 1 हिंदी पाठ्यक्रम

जून 2023 से आगे

DISIPLINE SPEDIFIC ELECTIVE COURSE (DSES)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण UGC की मॉडल पाठ्यचर्या (NEP) के आलोक में किया गया है।

अनिवार्य प्रश्नपत्र 1(HINMM1) : आधुनिक गद्य साहित्य

कर्मांक (Credit) : 4 अध्यापन तासिकाएँ –60

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: 20

कुल अंक:-100.

उद्देश्य

1. हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं से अवगत कराना।
2. हिंदी उपन्यास का विशेष अध्ययन कराना।
3. नाटक ले स्वरूप, संरचना और मंचीयता से कराना एवं नाट्य अभिनय कौशल को विकसित कराना।
4. हिंदी तथा हिंदी आत्मकथा विशेष से परिचित कराना।

फल निष्पत्ति

1) हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं से अवगत हुए।
2) हिंदी उपन्यासों से अवगत हुए और उपन्यासों का सूक्ष्म अध्ययन किया।
3) नाटक के स्वरूप संरचना रंगमंच से परिचय प्राप्त हुआ एवं नाट्याभिनय कौशल विकसित हुआ।
4) समकालीन दलित, स्त्री, आदिवासी, किसान, शिक्षा आदि विमर्शों से परिचित हुए।
5) कथेतर साहित्य के उद्भव विकास एवं विभिन्न रूपों से परिचित हुए।

पाठ्यपुस्तक

1. और सिर्फ तितली (उपन्यास)- प्रदीप सौरभ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. स्कंदगुप्त (जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हादसे (आत्मकथा)- रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कथा मंजरी (कहानी-संग्रह[सं. महेन्द्र कुलश्रेष्ठ, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।

विभाग Modul	इकाई Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hour	श्रेंयाक Credit
विभाग I Modul I	**इकाई 1** और सिर्फ तितली (उपन्यास)- प्रदीप सौरभ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली प्रदीप सौरभ - व्यक्तित्व एवं कृतित्व, शिक्षा क्षेत्र की समस्याएँ, उपन्यास समीक्षा के मानदंडी के आधार पर विवेच्य रचना का अध्ययन	15	1
विभाग II Modul II	**इकाई 2** स्कंदगुप्त -जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। जयशंकर प्रसाद - व्यक्तित्व एवं कृतित्व, ऐतिहासिक नाटक की विशेषताएँ , नाटक के तत्वों के आधार पर विवेच्य रचना की समीक्षा	15	1
विभाग III Modul III	**इकाई 3** हादसे (आत्मकथा)- रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। रमणिका गुप्ता - व्यक्तित्व एवं कृतित्व, स्त्री संघर्ष गाथा तथा आत्मकथा के तत्वों के आधार पर विवेच्य रचना की समीक्षा	15	1
विभाग IV Modul IV	**इकाई 4** कथा मंजरी –(कहानी-संग्रह)- सं. महेन्द्र कुलश्रेष्ठ, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली। रचना का सामान्य परिचय, कथा के तत्वों के आधार पर विवेच्य कहानी की समीक्षा	15	1

संदर्भ ग्रंथ

1) हिंदी उपन्यास : उद्‌भ्व और विकास- डॉ. सुरेश सिन्हा
2) हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा - डॉ. रामदरश मिश्र
3) हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - डॉ. रामदरश मिश्र
4) नाट्यालोचन - डॉ. माधव सोनटक्के
5) उपन्यास स्थिति और गति - डॉ. चंद्रकांत दवडेकर
6) हिंदी उपन्यासः उद्भ्व और विकास- डॉ. सुरेश सिन्हा
7) हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष सं. डॉ. रामदरश मिश्रा
8) उपन्यास का वैचारिक पक्ष डॉ. अर्जुन चव्हाण वाणी प्रकाशन
9) उपन्यास और उपन्यासकार डॉ. दवारिका सक्सेना

कुल अंक 100 (80 प्रश्नपत्रिका 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन

प्रश्न क्र.	प्रश्न का स्वरूप	**अंक**
1	समग्र पाठयक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न	**20**
2	ससंदर्भ व्याख्या (इकाई 2) (अंतगर्त विकल्प के साथ)	**20**
3	समग्र पाठयक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	**20**
4	समग्र पाठयक्रम पर दीघोत्तरी प्रश्न (अंतगर्त विकल्प के साथ)	**20**

अंतगर्त मूल्यमापन : 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा,भेंट/क्षेत्रीय कार्य)

रयत शिक्षण संस्था संचालित,

सद्गुरु गाडगे महाराज कॉलेज, कराड (स्वायत्त)

(DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE)

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग - प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र- भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

प्रकार - MM - विषय कोड - HINMM2 - कोर्स क्रेडिट - 4

सत्र समाप्ति परीक्षा:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक :- 20

कुल अंक :- 100

उद्देश्य -

1. भाषा की संकल्पना, स्वरुप तथा विशेषता का परिचय प्राप्त करना.

2. स्वन और रूप विज्ञान की जानकारी प्राप्त कराना.

3. भाषा विज्ञान के स्वरुप, अंग तथा नई दिशाओं से अवगत कराना

4. वाक्य विज्ञान की संकल्पना, स्वरुप, वाक्य विश्लेषण और प्रकारों से परिचित कराना

विभाग Modul	इकाई Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hour	श्रेयांक Credit
विभाग - 1	भाषा,स्वरुप,परिभाषा	15	1
Modul-I	और विशेषता, भाषाविज्ञान स्वरुप, परिभाषा, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषाविज्ञान के अंग भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशा		
विभाग - 2 Modul-II	स्वनिम विज्ञान परिभाषा, स्वरुप और वर्गीकरण, स्वनिम के भेद, हिंदी की स्वनिम व्यवस्था	15	1

विभाग - 3 Modul-III	रुपीम विज्ञान स्वरुप और परिभाषा, रुपीम के भेद, रूप परिवर्तन के कारण और दिशा.	15	1
विभाग - 4 Modul-IV	वाक्य विज्ञान संकल्पना और स्वरुप, वाक्य विश्लेषण और प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण	15	1

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी - भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद
2. डॉ. भोलानाथ तिवारी - आधुनिक भाषा विज्ञान
3. डॉ. अंबादास देशमुख - भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम
4. डॉ. उदयनारायण तिवारी - हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, भारती भंडार, प्रयाग
5. डॉ. अंबादास सुमन - भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग
6. डॉ. भोलानाथ तिवारी हिंदी भाषा की लिपि संरचना.
7. डॉ. सुधाकर कलावडे - भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा.
8. डॉ. हणमंतराव पाटिल- भाषा और हिंदी भाषा, विद्या प्रकाशन, कानपुर.
9. तेजपाल चौधरी - भाषा और भाषा विज्ञान, विकास प्रकाशन, कानपुर.
10. डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली.
11. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा हिंदी भाषा का विकास.
12. डॉ. ओमप्रकाश शर्मा - भाषा विज्ञान के सिद्धांत, निराली प्रकाशन पुणे.

कुल अंक 100 (80 प्रश्नपत्रिका, 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन-

प्रश्न क्र.	**प्रश्न का स्वरुप**	**अंक**
प्रश्न 1.	अ) समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न आ) एक वाक्य में उत्तर लिखिए	10 10
प्रश्न 2.	टिप्पणियाँ लिखिए 3/2	20
प्रश्न 3.	संक्षेप में उत्तर लिखिए 3/2	20
प्रश्न 4.	निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर विस्तृत में लिखिए 2/1	20

रयत शिक्षण संस्था संचलित,

सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड (स्वायत्त)

(Choice Based Credit System)

एम.ए. 1 प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र – हिंदी साहित्य का इतिहास

जून 2023 से आगे

प्रकार – MM3

पेपर कोड – HINMM3 कोर्स क्रेडीट – 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक – 80 अंतर्गत मूल्यमापन अंक – 20

कुल अंक- 100

अध्यापन तासिकाएँ - 60

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण UGC की मॉडल पाठ्यचर्या (NEP2020) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य- (Objective)

1. साहित्येतहास के लेखन की आवश्यकता तथा महत्व से परिचित कराना
2. आदिकालीन परिवेश से एवं साहित्य का परिचय कराना।
3. मध्यकालीन परिवेशविविध काव्यधाराओं से रचनाकारों से परिचित कराना। ,
4. रीतिकालीन गद्य रचनाओं का परिचय कराना।

विभाग (Modul)	इकाई	अध्ययन तासिका	श्रेयांक
विभाग- I Modul- I	**साहित्येतिहास तथा आदिकाल** 1.हिंदी साहित्य का इतिहास महत्व ,लेखन के विविध प्रयास ,काल विभाजन, सीमा निधार्रण 2. आदिकाल की पृष्ठभूमि सामाजिकसाहित्यिक। ,धार्मिक ,राजनीतिक , 3. आदिकालीन साहित्य का सामान्य परिचयजैन साहित्य ,नाथ ,सिद्ध - 4. संक्रांतिकाल- नामकरण, महत्व एवं कवि।	15	1
विभाग- II Modul- II	**पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) निर्गुण भक्ति काव्यधारा** 1. भक्तिकाल की पृष्ठभूमिसाहित्यिक। ,धार्मिक ,राजनीतिक ,सामाजिक - 2. निर्गुण भक्ति काव्यधाराओं (ज्ञानाश्रयीप्रेमाश्रयी,) का सैद्धांतिक परिचय। 3. निर्गुण ज्ञानाश्रयी काव्यधारा के प्रमुख संत कवि तथा रचनाएँ। 4. निर्गुण प्रेमाश्रयी काव्यधारा के प्रमुख सूफी कवि तथा रचनाएँ।	15	1
विभाग- III Modul III	**पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) सगुण भक्ति काव्यधारा** 1. सगुण भक्ति काव्यधारा (कृष्ण भक्तिराम भक्ति ,) सैद्धांतिक पक्ष 2. कृष्णभक्त कवि-अष्टछाप तथा संप्रदाय निरपेक्ष की रचनाएँ कृष्णभक्ति	15	1

	काव्यधारा की विशेषताएँ 3. रामभक्ति काव्य की विशेषताएँ, रामभक्ति काव्यधारा के कवि तुलसीदास 4. रामकृष्ण काव्येतर काव्य, भक्तित्तेर कवि एवं रचनाएँ।		
विभाग- IV **ModuI IV**	**उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल)** 1. रीतिकाल पृष्ठभूमि साहित्यिक ,धार्मिक ,राजनीतिक ,सामाजिक - 2. रीतिकालीन काव्यधाराएँ प्रवृत्तियाँ - 3. रीतिकालीन प्रमुख कवि एंव रचनाएँ। 4. रीतिकालीन गद्य साहित्य	15	1

- **अंतर्गत मूल्यमापन -20 अंक /चर्चासत्र /मौखिकी -स्वाध्यायक्षेत्रीय कार्य /भेंट ,अध्ययन यात्रा /**
- **संदर्भ ग्रंथ:**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास ,नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी ,शुक्ल रामचंद्र .आ -2005
2. हिंदी साहित्य का इतिहास नगेन्द्र .डॉ -(संपा) नेशनल पब्लिशिंग हाउसख् दिल्ली .सं.प्र ,1973
3. हिदी साहित्य का दूसरार इतिहास1998 दिल्ली ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,सिंह बच्चन .डॉ -
4. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास.दिल्ली ,वाणी प्रकाशन ,राजे सुमन .डॉ -2002
5. हिंदी साहित्य की भूमिका1947 हिंदी ग्रंथ रत्नाकर बंबई ,हजारीप्रसाद द्विवेदी .आ -
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकासचतुर्वेदी र .डॉ -ामस्वरूप ,लोकभारती इलाहाबाद ,1998
7. हिंदी साहित्यइलाहाबाद ,लोकभारती प्रकाशन ,वाजपेयी नंददुलारे .आ -बीसवीं शताब्दी :
8. हिंदी निबंध और निबंधकारबनारस ,हिंदी पुस्तक एजन्सी ,श्री ठाकुर प्रसाद सिंह -
9. हिंदी गद्य साहित्यविश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणस ,डॉ तिवारी रामचंद -ी ,1992
10. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहासइलाहाबाद ,लोकभारती प्रकाशन ,वर्मा रामकुमार .डॉ -
11. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासवाराणसी ,सभा नागरी प्रचारिणी ,गुप्त गणपतिचंद्र .डॉ -
12. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ ,दिल्ली ,अशोक प्रकाशन ,शर्मा शिवकुमार .डॉ -2005
13. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँविनोद पुस्तक मंदिर आगरा ,प्रसाद जयकिशन .डॉ -

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन **कुल अंक 80**

प्रश्न 1 अ. प्रश्न 1 ब.	बहुविकल्पी प्रश्न (10) एक वाक्य में उत्तर लिखिए (10)	10 10
प्रश्न 2	टिप्पणियाँ (3 में से 2)	20
प्रश्न 3	लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	20
प्रश्न 4 अ]	दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	20
B] **अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा पूरे** पाठ्यक्रम [Internal Evaluation] : **अंक -** Total marks - 20		
अ.	मौखिकी, गृहपाठ, कक्षा अंतर्गत परीक्षा, सेमिनार तथा प्रकल्प	20

रयत शिक्षण संस्था संचलित,

सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड (स्वायत्त)

(Choice Based Credit System)

एम.ए. 1 प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र – पटकथा लेखन

जून 2023 से आगे

प्रकार –

कोर्स कोड – HINMM4 कोर्स क्रेडीट – 2

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक – 40

अंतर्गत मूल्यमापन अंक – 10

कुल अंक- 50

अध्यापन तासिकाएँ - 30

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण UGC की मॉडल पाठ्यचर्या (NEP2020) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य (Objective) :-

- **पटकथा निर्माण के लिए प्रेरित** कराना।
- पटकथा लेखन के प्रकारों से परिचित कराना।
- दृश्य के माध्यम से कथा को विकसित करने की क्षमता निर्माण कराना।
- **लघुपट निर्माण करते समय व्यावसायिकता को अपनाकर हिंदी को भाषा, संस्कृति,विश्व स्तर लाने का प्रयास करना ।**
- छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढावा देना।

• **विभाग** • Modul	**ईकाइ** Topic	**अध्यापन तासिका** Teaching Hour	**श्रेयांक** Credit
विभाग 1 Modul I	**पटकथा का स्वरूप, पटकथा के मूल तत्व ,विषय वस्तु , पटकथा द्वंव द्ंव, पटकथा के प्रकार**	15	1
विभाग 2 Modul II	**पटकथा लेखन, संवाद लेखन, लघुपट रूपांतरण, दृश्यीकरण / शुटिंग स्क्रिप्ट**	15	1

❖ **संदर्भग्रंथ :**

1. पटकथा लेखन : एक परिचय मनोहर शाम जोशी - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पटकथा – मन्नू भंडारी - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मीडिया लेखन – सुमित मोहन वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मीडिया लेखन – रूपचंद गौतम नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली

A) सत्रांत परीक्षा : **अंक - 40**

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित 40 अंकों का प्रश्नपत्र निर्धारित करना है |

प्रश्न 1 अ	पुरे पाठ्यक्रम पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न (10)	10
प्रश्न 2	टिपणियाँ लिखिए (3में से 2)	10
प्रश्न 3	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए I (3में से 2)	10
प्रश्न 4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए I (2 में से 1)	10
B] अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा [Internal Evaluation] :	**अंक 10**	
प्रश्न 1	पाठ्यक्रम से संबधित गृहपाठ, मौखिकी, तथा कक्षा अंतर्गत परीक्षा	10

रयत शिक्षण संस्था संचलित,

सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड (स्वायत्त)

(Choice Based Credit System)

एम.ए. 1 प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र – हिंदी साहित्य का इतिहास

जून 2023 से आगे

प्रकार – RM

पेपर कोड – HINRM कोर्स क्रेडीट – 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक – 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक – 20

कुल अंक- 100

अध्यापन तासिकाएँ - 60

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण UGC की मॉडल पाठ्यचर्या (NEP2020) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य- (Objective)

1. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया से छात्रों को अवगत कर उनमें अनुसंधान कार्य के प्रति रूचि उत्पन्न करना।
2. अनुसंधान कार्य के लिए छात्रों को सक्षम बनाते हुए उनकी शोध दृष्टि को विकसित करना।
3. छात्रों के अध्ययन, विवेचन, विश्लेषण एवं निष्कर्ष स्थापित करने की क्षमता का विकास करना।
4. अनुसंधान की पद्धतियों से परिचित कर शोध प्रबंध लेखन और शोध नैतिकता से अवगत कराना।
5. अनुसंधान कार्य में आई.सी.टी. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग से अवगत करना।
6. हिंदी साहित्य के अनुसंधान कार्य की स्थिति एवं संभावनाओं से परिचित करना।

विभाग (Modul)	इकाई	अध्ययन तासिका	श्रेयांक
विभाग- I Modul- I	1. अनुसंधान का अथपरिभाषा एवं स्वरूप , 2. अनुसंधान के प्रयोगन 3. अनुसंधान के प्रकारअनुसंधान साहित्येतर ,साहित्यिक अनुसंधान - 4. अनुसंधान कर्ता के गुण 5. शोध निर्देशक के गुण	15	1
विभाग- II	1. अनुसंधान के मूलतत्व 2. शोध और आलोचना	15	1

Modul-II	3. अनुसंधान के चरण- विषय का निर्वाचन, समग्री संकलन एवं अध्ययन, समस्या की पहचान तर्क पद्धति का निर्वाहन (तथ्यों का अवलोकन, तथ्यों का वर्गीकरण एवं सारणीयन) 4. प्रश्नावलीसाक्षात्कार , 5. सामाजिक सर्वेक्षणविवेचन , 6. निष्कर्ष स्थापना 7. अनुसंधान की पद्धतियाँऐतिहासिक ,तुलनात्मक ,वर्णनात्मक - 8. शोध नैतिकता		
विभाग-III ModuII	1. शोध प्रबंधशीर्षक निर्धारण - 2. शोध कार्य का विभाजन- अध्याय, उपशीर्षक और अनुपात 3. शोध रूपरेखा, प्रस्तावना, भूमिका लेखन 4. आधार एवं संदर्भ ग्रंथ सूची 5. संदर्भ उल्लेख, संदर्भ की शैली 6. परिशिष्ठ टंकन और वर्तनी सुधार।	15	1
विभाग-IV ModuIV	1. अनुसंधान कार्य में आई .टी.सी.(सूचना और संचार प्रौद्योगिकी) का अनुप्रयोग 2. इंटरनेट का अनुसंधान कार्य में प्रयोग 3. ई बुक्स ई पत्रिका की खोज , 4. शोध के लिए गुगल स्कॉलर का प्रयोग 5. साहित्य की ऑनलाइन खोज 6. अनुसंधान की उपयुक्तता एवं महत्व 7. हिंदी साहित्य के अनुसंधान कार्य की स्थिति एवं संभावनाएँ।	15	1

- **अंतर्गत मूल्यमापन -20 अंक /चर्चासत्र /मौखिकी -स्वाध्यायक्षेत्रीय कार्य /भेंट ,अध्ययन यात्रा /**

संदर्भ ग्रंथ :

1. **शोध प्रविधि- डॉ. विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।**
2. **साहित्य सिद्धांत और शोध- डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली**
3. **अनुसंधान – एक विवेचन- डॉ ओमप्रकाश शर्मा निराली प्रकाशन, पुना**
4. **हिंदी अनुसंधान: वैज्ञानिक पद्धतियाँ- डॉ कैनाशनाथ मिश्र, विनय प्रकाशन, कानपुर**
5. **अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया- मधु खराटे, डॉ. शिवाजी देवरे, विद्या प्रकाशन, कानपुर**
6. **अनुसंधान प्रविधि- सिद्धंत और प्रक्रिया- एस एन गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
7. **अनुसंधान की प्रक्रिया- डॉ सावित्रभ् सिन्हा, डॉ, विजयेन्द्र स्नातक, नेशनल पब्लिशिंग नई दिल्ली**
8. **अनुसंधान का विवेचन- डॉ. उदयभानु सिंह, वागीश्वरी प्रकाशन, जौनपुर**
9. **शोध प्रविधि- डॉ. हरिश्चंद वर्मा, हरियाणा०ा ग्रंथ अकादमी, हरियाणा**

10. **हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा – डॉ मनमोहन सहगल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर**

11. **शोध प्रविधि: अध्ययन दृष्टि- डॉ. गंगेश दीक्षित, विनय प्रकाशन, कानपुर**

12. **आधुनिक शोध प्रणाली- दीपिका भारद्वाज, रितु पब्लिकेशन, जयपुर**

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन **कुल अंक 80**

प्रश्न 1 अ. प्रश्न 1 ब.	बहुविकल्पी प्रश्न (10) एक वाक्य में उत्तर लिखिए (10)	10 10
प्रश्न 2	टिप्पणियाँ (3 में से 2)	20
प्रश्न 3	लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	20
प्रश्न 4 अ]	दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	20
B] **अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा पूरे** पाठ्यक्रम [Internal Evaluation] : **अंक -** Total marks - 20		
अ.	मौखिकी, गृहपाठ, कक्षा अंतर्गत परीक्षा, सेमिनार तथा प्रकल्प	20

रयत शिक्षण संस्था संचलित,

सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड (स्वायत्त)

हिंदी अध्ययन मंडल

(Choice Based Credit System)

एम.ए. 1 सत्र 2 हिंदी पाठ्यक्रम

जून 2023 से आगे

DISIPLINE SPEDIFIC ELECTIVE COURSE (DSES)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण UGC की मॉडल पाठ्यचर्या (NEP) के आलोक में किया गया है।

प्रश्नपत्र (HINME) : प्राचीन तथा निर्गुण भक्तिकाव्य

कर्मांक (Credit) : 4 **अध्यापन तासिकाएँ – 60**

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: 20

कुल अंक:-100.

उद्देश्य

1.प्राचीन तथा मध्ययुगीन कवियों एवं उनकी कृतियों से परिचित कराना।
2. युगीन परिवेश तथा काव्य प्रवृतियों परिचय कराना।
3. प्राचीन तथा मध्ययुगीन प्रमुख कवियों की काव्यकृतियों का सुक्ष्म अध्ययन कराना।
4. पठित कवि तथा उनकी काव्य कृतियों के वर्तमान कालीन महत्व से परिचित कराना।

पाठ्यपुस्तक

1. पृथ्वीराज रासो : कवि चंदबरदायी - सं. आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह – साहित्य भवन , इलाहाबाद ।

2. विदयापति की पदावली : कवि विदयापति – सं. श्री. रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, पटना ।

3. कबीर ग्रंथावली – कबीर - सं.राम किशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. पद्मावत – कवि जायसी सं.रामचंद्र शुक्ल , नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी ।

विभाग Modul	इकाई Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hour	श्रेंयाक Credit
विभाग I Modul I	इकाई 1 कवि चंदबरदायी	15	1

	- व्यक्तित्व एवं कृतित्व, कवि चंदबरदायी कालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृतियाँ पृथ्वीराज रासो – (अध्ययनार्थ) बानवेध समय		
विभाग II Modul II	**इकाई 2** विदयापति की पदावली : कवि विदयापति, संपादक – श्री. रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, पटना, कवि विदयापति – व्यक्तित्व् एवं कृतित्व् कवि विदयापति कालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृतियाँ विदयापति की पदावली – (अध्ययनार्थ) 1. नोंक – झोक (पद) 2. विरह (पद)	**15**	**1**
विभाग III Modul III	**इकाई 3** संपादक - रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद, छ.सं. 2007 पाठयविषय :- कबीर- व्यक्तित्व एवं कृतित्व, कबीर कालीन परिस्थितियां, काव्य प्रवृत्तियां, निर्गुण ज्ञानाश्रयी	**15**	**1**
विभाग - IV Modul- IV	काव्यधारा: स्वरूप कबीर ग्रंथावली । (अध्ययनार्थ) पद क्रमांक 52, 92, 93, 99, 111, 113, 189, 238, 243, 252, 274, 317, 333, 442, 457.		
विभाग IV Modul IV	**इकाई 4** पाठ्यपुस्तक- पद्मावत कवि- रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी पाठयविषय : पद्मावत - जायसी, संपादक जायसी-व्यक्तित्व एवं कृतित्व जायसी कालीन परिस्थितियां, काव्य प्रवृत्तियाँ, निर्गुण प्रेमाश्रयी काव्यधारा स्वरूप (अध्ययनार्थ) 1.पद्मावती गोरा-बादल संवाद खंड 2. गोरा-बादल युद्ध	**15**	**1**

संदर्भ ग्रंथ-

1. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य- डॉ. नामवर सिंह -दिल्ली, व्दि. सं. 2007. राधाकृष्ण प्रकाशन,
2. भक्ति आंदोलन और लोकसंस्कृति- डॉ. कुंवरपाल सिंह - अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2002
3. विद्यापति- डॉ. शिवप्रसाद सिंह - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद. 13 वा. सं. 2002.
4. विद्यापति एक अध्ययन- डॉ. रणधीर श्रीवास्तव भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली 1991.
5. विद्यापति ठाकुर डॉ. उमेश मिश्र हिंदुस्थान एकेडमी, इलाहाबाद, तृ. सं. 1960.
6. विद्यापति- डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित दिव्या प्रकाशन, ग्वालियर.
7. कबीर ग्रंथावली- आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी (संपा.) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी,1954.
8. कबीर ग्रंथावली सटीक डॉ. गोविंद त्रिगुणायत -
9. संत कबीर- डॉ. रामकुमार वर्मा -संत भवन प्रा. लि. इलाहाबाद, नवम प्रकाशन,1999.
10. कबीर मीमांसा डॉ. रामचंद्र तिवारी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002.
11. मध्यकालीन काव्यधाराएं एवं प्रतिनिधि कवि- डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र - हरियाना साहित्य अकादमी, चंडीगढ 1989.
12. कबीर एक नई दृष्टि- डॉ. रघुवंश - लोकभारती प्रकाशन, तृ. सं. 2002.
13. संत कबीर व्यक्तित्व एवं रचनाएँ- डॉ. मो. मजिदमिया -जी. एस. पब्लिशर, शाहदरा,दिल्ली-32.
14. जायसी और उनका साहित्य संसार- आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी दिल्ली, 1959.
15. जायसी ग्रंथावली- डॉ. राजनाथ शर्मा (संपा.) - विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, च. सं1971.
16. जायसी एक अध्ययन- डॉ. रणधीर श्रीवास्तव भारतीय ग्रंथ निकेतन, 1988.
17. जायसी (अलोचनात्मक अध्ययन)- भारतभूषण 'सरोज' - विनोद पुस्त मंदिर, आगरा,नवम सं. 1971.
18. कबीर के नारी दर्शन की प्रासंगिकता डॉ. बिरोदेवी कृष्ण रमोत्रा - अन्नपूर्णा प्रकाशन,कानपुर, प्रथम संस्करण - 2017.

कुल अंक 100 (80 प्रश्नपत्रिका 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन

प्रश्न क्र.	प्रश्न का स्वरूप	**अंक**
1	समग्र पाठयक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न	**20**
2	ससंदर्भ व्याख्या (इकाई 2) (अंतगर्त विकल्प के साथ)	**20**
3	समग्र पाठयक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	**20**
4	समग्र पाठयक्रम पर दीघोत्तरी प्रश्न (अंतगर्त विकल्प के साथ)	**20**

अंतगर्त मूल्यमापन : 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा,भेंट/क्षेत्री

रयत शिक्षण संस्था संचलित,

सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड (स्वायत्त)

हिंदी अध्ययन मंडल

(Choice Based Credit System)

एम.ए. 1 सत्र 2 हिंदी पाठ्यक्रम

जून 2023 से आगे

DISIPLINE SPEDIFIC ELECTIVE COURSE (DSES)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण UGC की मॉडल पाठ्यचर्या (NEP) के आलोक में किया गया है।

अनिवार्य प्रश्नपत्र 5(HINMM5) : आधुनिक गद्य साहित्य

कर्मांक (Credit) : 4 अध्यापन तासिकाएँ – 60

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक: 20

कुल अंक:-100.

उद्देश्य

1.हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं से अवगत कराना।
2.हिंदी उपन्यास का विशेष अध्ययन कराना।
3.नाटक ले स्वरूप, संरचना और मंचीयता से कराना एवं नाट्य अभिनय कौशल को विकसित कराना।
4. हिंदी तथा हिंदी आत्मकथा विशेष से परिचित कराना।

फल निष्पत्ति

1.हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं से अवगत हुए।
2.हिंदी उपन्यासों से अवगत हुए और उपन्यासों का सूक्ष्म अध्ययन किया।
3.नाटक के स्वरूप संरचना रंगमंच से परिचय प्राप्त हुआ एवं नाट्याभिनय कौशल विकसित हुआ।
4.समकालीन दलित, स्त्री, आदिवासी, किसान, शिक्षा आदि विमर्शों से परिचित हुए।
5.कथेतर साहित्य के उद्भव विकास एवं विभिन्न रूपों से परिचित हुए।

पाठ्यपुस्तक

1. और सिर्फ तितली (उपन्यास)- प्रदीप सौरभ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. स्कंदगुप्त (जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हादसे (आत्मकथा)- रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कथा मंजरी (कहानी-संग्रह[सं. महेन्द्र कुलश्रेष्ठ, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।

विभाग Modul	इकाई Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hour	श्रेंयाक Credit
विभाग I Modul I	इकाई 1 और सिर्फ तितली (उपन्यास)- प्रदीप सौरभ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली प्रदीप सौरभ - व्यक्तित्व एवं कृतित्व, शिक्षा क्षेत्र की समस्याएँ, उपन्यास समीक्षा के मानदंडी के आधार पर विवेच्य रचना का अध्ययन	15	1
विभाग II Modul II	इकाई 2 स्कंदगुप्त -जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। जयशंकर प्रसाद - व्यक्तित्व एवं कृतित्व, ऐतिहासिक नाटक की विशेषताएँ , नाटक के तत्वों के आधार पर विवेच्य रचना की समीक्षा	15	1
विभाग III Modul III	इकाई 3 हादसे (आत्मकथा)- रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। रमणिका गुप्ता - व्यक्तित्व एवं कृतित्व, स्त्री संघर्ष गाथा तथा आत्मकथा के तत्वों के आधार पर विवेच्य रचना की समीक्षा	15	1
विभाग IV Modul IV	इकाई 4 कथा मंजरी –(कहानी-संग्रह)- सं. महेन्द्र कुलश्रेष्ठ, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली। रचना का सामान्य परिचय, कथा के तत्वों के आधार पर विवेच्य कहानी की समीक्षा	15	1

संदर्भ ग्रंथ

10)हिंदी उपन्यास : उद्‌भ्व और विकास- डॉ. सुरेश सिन्हा

11)हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा - डॉ. रामदरश मिश्र

12)हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - डॉ. रामदरश मिश्र

13)नाट्यालोचन - डॉ. माधव सोनटक्के

14)उपन्यास स्थिति और गति - डॉ. चंद्रकांत दवडेकर

15)हिंदी उपन्यासः उद्भ्व और विकास- डॉ. सुरेश सिन्हा

16)हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष सं. डॉ. रामदरश मिश्रा

17)उपन्यास का वैचारिक पक्ष डॉ. अर्जुन चव्हाण वाणी प्रकाशन

18)उपन्यास और उपन्यासकार डॉ. दवारिका सक्सेना

कुल अंक 100 (80 प्रश्नपत्रिका 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन

प्रश्न क्र.	प्रश्न का स्वरूप	**अंक**
1	समग्र पाठयक्रम पर दस बहुविकल्पीय प्रश्न	**20**
2	ससंदर्भ व्याख्या (इकाई 2) (अंतगर्त विकल्प के साथ)	**20**
3	समग्र पाठयक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	**20**
4	समग्र पाठयक्रम पर दीघोत्तरी प्रश्न (अंतगर्त विकल्प के साथ)	**20**

अंतगर्त मूल्यमापन : 20 अंक (मौखिकी/चर्चासत्र/स्वाध्याय/अध्ययन यात्रा,भेंट/क्षेत्री

रयत शिक्षण संस्था संचालित,

सद्गुरु गाडगे महाराज कॉलेज, कराड (स्वायत्त)

(DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE)

हिंदी अध्ययन मंडल

एम.ए. भाग 1 - द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र- भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

प्रकार - MM - विषय कोड - HINMM6 - कोर्स क्रेडिट - 4

सत्र समाप्ति परीक्षा:- 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक :- 20

कुल अंक :- 100

उद्देश्य -

1. अर्थ विज्ञान की समग्र जानकारी से परिचित कराना |

2. प्राचीन मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं से अवगत कराना

3. हिंदी की उपभाषाओ तथा बोलियों से परिचित कराना |

4. देवनागरी लिपि तथा संगणक सुविधाओं से अवगत कराना |

विभाग Modul	इकाई Topic	अध्यापन तासिका Teaching Hour	श्रेयांक Credit
Modul-I	अर्थ की अवधारणा तथा शब्द और अर्थ का संबंध अर्थ परिवर्तन के कारण अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ	15	1
विभाग - 2 Modul-II	**प्राचीन** भारतीय आर्य भाषाएँ - वैदिक संस्कृत तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएँ **मध्यकालीन** भारतीय आर्य भाषाएँ - पालि, प्राकृत, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ. **आधुनिक** भारतीय आर्य	15	1

	भाषाएँ और उनका वर्गीकरण.		
विभाग - 3 Modul-III	हिंदी की उपभाषाएँ - पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी हिंदी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियाँ	15	1
विभाग - 4 Modul-IV	**देवनागरी** लिपि की विशेषताएँ, सीमाएँ देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता और मानकीकरण हिंदी में कंप्यूटर सुविधाएँ - मशीनी अनुवाद, मेल आयडी का पंजीकरण (विधि), इमेल प्रेषण एवं प्राप्ति, विषय की जानकारी ढूँढना (सर्चिंग), इंडिक इनपुट सॉफ्टवेअर परिचय	15	1

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी - भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद
2. डॉ. भोलानाथ तिवारी - आधुनिक भाषा विज्ञान
3. डॉ. अंबादास देशमुख - भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम
4. डॉ. उदयनारायण तिवारी - हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, भारती भंडार, प्रयाग
5. डॉ. अंबादास सुमन - भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग
6. डॉ. भोलानाथ तिवारी - हिंदी भाषा की लिपि संरचना.
7. डॉ. सुधाकर कलावडे - भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा.
8. डॉ. हणमंतराव पाटिल- भाषा और हिंदी भाषा, विद्या प्रकाशन, कानपुर.
9. तेजपाल चौधरी - भाषा और भाषा विज्ञान, विकास प्रकाशन, कानपुर.
10. डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली.
11. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा हिंदी भाषा का विकास.
12. डॉ. ओमप्रकाश शर्मा - भाषा विज्ञान के सिद्धांत, निराली प्रकाशन पुणे.

कुल अंक 100 (80 प्रश्नपत्रिका, 20 अंतर्गत मूल्यमापन)

प्रश्नपत्रिका का स्वरूप और अंक विभाजन-

प्रश्न क्र.	**प्रश्न का स्वरुप**	**अंक**
प्रश्न 1.	अ) समग्र पाठ्यक्रम पर दस बहुविकल्पी प्रश्न आ) एक वाक्य में उत्तर लिखिए	10 10
प्रश्न 2.	टिप्पणियाँ लिखिए 3/2	20
प्रश्न 3.	संक्षेप में उत्तर लिखिए 3/2	20
प्रश्न 4.	निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर विस्तृत में लिखिए 2/1	20

रयत शिक्षण संस्था संचलित,

सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड (स्वायत्त)

(Choice Based Credit System)

एम.ए. 1 द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र – हिंदी साहित्य का इतिहास

जून 2023 से आगे

प्रकार – MM7

पेपर कोड – HINMM7 कोर्स क्रेडीट – 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक – 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक – 20

कुल अंक- 100

अध्यापन तासिकाएँ - 60

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण UGC की मॉडल पाठ्यचर्या (NEP2020) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य- (Objective)

1. आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य के युगीन परिवेश का परिचय कराना।
2. आधुनिक कालीन हिंदी पद्य साहित्य के विकास का परिचय कराना।
3. आधुनिक कालीन गद्य साहित्य के विकास का परिचय कराना।
4. आधुनिक कालीन हिंदी कथेतर साहित्य के विकास का परिचय कराना।
5. आधुनिक कालीन हिंदी पद्य और गद्य रचनाकार तथा रचनाओं का परिचय कराना।

विभाग (Modul)	इकाई	अध्ययन तासिका	श्रेयांक
विभाग-I Modul-I	आधुनिक हिंदी कविता : विकास प्रक्रिया के सोपान 1.भारतेंदु हरिश्चंद्र युगीन कविता परिवेश -, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ 2. आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी युगीन कविता परिवेश -, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ , काव्य प्रवृत्तियाँ 3. छायावादी कविता परिवेश -, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ 4. हालावादी कविता - परिवेश, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ	15	1

विभाग-II Modul-II	**आधुनिक हिंदी कविता : विकास प्रक्रिया के सोपान** 1. प्रयोगवादी परिवेश -, वैचारिक पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ 2. नई कविता -परिवेश, वैचारिक पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ 3. साठोत्तरी कविता- परिवेश, वैचारिक पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ 4. समकालीन कविता परिवेश -, वैचारिक पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि तथा रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ	15	1
विभाग-III ModuII	**आधुनिक हिंदी कथा साहित्य का विकास** 1. हिंदी उपन्यास साहित्य का विकास ,प्रमुख उपन्यासकार तथा उनकी कृतियाँ - वैचारिक प्रवाह 2. हिंदी कहानी साहित्य का विकास प्रमुख -कहानीकार तथा उनकी कृतियाँ , वैचारिक प्रवाह 3. हिंदी नाटक साहित्य का विकास - प्रमुख नाटककार तथा उनकी कृतियाँ, वारिक प्रवाह 4. हिंदी एकांकी साहित्य का विकास- प्रमुख एकांकीकार तथा उनकी कृतियाँ, वारिक प्रवाह	15	1
विभाग-IV ModuIV	**आधुनिक हिंदी कथेतर साहित्य का विकास** 1. हिंदी निबंध साहित्य- उदभव और विकास प्रमुख निबंधकार , 2. हिंदी यात्रा साहित्य - उदभव और विकास प्रमुख यात्रा साहित्यकार , 3. हिंदी संस्मरण साहित्य - उदभव और विकास प्रमुख संस्मरणकार , 4. हिंदी आत्मकथा साहित्य- उदभव और विकास प्रमुख आत्मकथाकार ,	15	1

- **अंतर्गत मूल्यमापन -20 अंकक्षेत्रीय कार्य /भेंट ,अध्ययन यात्रा /स्वाध्याय /चर्चासत्र /मौखिकी -**

संदर्भ ग्रंथ :

14. हिंदी साहित्य -बीसवी शताब्दी : आवाजपेयी नंददुलारे ., लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ,1983 ई
15. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास- डॉचतुर्वेदी रामस्वरूप ., लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद , 1986 ई
16. हिंदी निबंध और निबंधकार .सं.प्र ,बनारस ,हिंदी पुस्तक एजन्सी ,ठाकुर प्रसाद सिंह .श्री -1951 ई.
17. हिंदी गद्य साहित्य ,वाराणसी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन ,तिवारी रामचंद्र .डॉ -1992
18. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहासइलाहाबाद ,लोकभारती प्रकाशन ,वर्मा रामकुमार .डॉ -
19. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहासवाराणसी ,नागरी प्रचारिणी सभा ,गुप्त गणपतिचंद्र .डॉ -
20. हिंदी साहित्य ,दिल्ली ,अशोक प्रकाशन ,शर्मा शिवकुमार .डॉ ,युग और प्रवृत्तियाँ -2005
21. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँआगरा ,विनोद पुस्तक मंदिर ,प्रसाद जयकिशन .डॉ -

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन **कुल अंक 80**

प्रश्न 1 अ. प्रश्न 1 ब.	बहुविकल्पी प्रश्न (10) एक वाक्य में उत्तर लिखिए (10)	10 10
प्रश्न 2	टिप्पणियाँ (3 में से 2)	20
प्रश्न 3	लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	20
प्रश्न 4 अ]	दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	20
B] **अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा पूरे** पाठ्यक्रम [Internal Evaluation] : **अंक -** Total marks - 20		
अ.	मौखिकी, गृहपाठ, कक्षा अंतर्गत परीक्षा, सेमिनार तथा प्रकल्प	20

रयत शिक्षण संस्था संचलित,

सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड (स्वायत्त)

(Choice Based Credit System)

एम.ए. 1 द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र – लघुपट निर्माण

जून 2023 से आगे

प्रकार – MM8

कोर्स कोड – HINMM8 कोर्स क्रेडीट – 2

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक – 40

अंतर्गत मूल्यमापन अंक – 10

कुल अंक- 50

अध्यापन तासिकाएँ - 30

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण UGC की मॉडल पाठ्यचर्या (NEP2020) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य (Objective) :-

- **लघुपट निर्माण के लिए प्रेरित** कराना।
- पटकथा लेखन के प्रकारों से परिचित कराना।
- दृश्य के माध्यम से कथा को विकसित करने की क्षमता निर्माण कराना।
- **लघुपट निर्माण करते समय व्यावसायिकता को अपनाकर हिंदी को भाषा, संस्कृति,विश्व स्तर लाने का प्रयास करना ।**
- छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को कढ़ावा देना।

विभाग Modul	**ईकाइ** Topic	**अध्यापन तासिका** Teaching Hour	**श्रेयांक** Credit
विभाग 1 Modul I	**लघुपट निर्माण** 1.1 लघुपट निर्माण 1.2 कथा का फिल्मांकन 1.3 कहानी का दृश्य विभाजन 1.4 कथा का संपादन 1.5 कैमेरा और उसका महत्व	15	1
विभाग 2	**पटकथा लघुपट : साहित्य और संस्कृति**	15	1

Modul II	2.1 पटकथा : साहित्य और संस्कृति 2.2 लघुपट : साहित्य और संस्कृति 2.3 साहित्य और पटकथा का सौंदर्यबोध 2.4 साहित्य और लघुपट सौंदर्यबोध 2.5 पटकथा और लघुपट शिल्प एवं अन्य पक्ष 2.6 साहित्य विधओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण		

❖ **संदर्भग्रंथ :**

1. मनोहर शाम जोशी - पटकथा लेखन एक परिचय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मन्नु भंडारी - पटकथा , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सुमित मोहन - मीडिया लेखन , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रूपचंद गौतम - मीडिया लेखन, नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली

A) सत्रांत परीक्षा : **अंक - 40**

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित 40 अंकों का प्रश्नपत्र निर्धारित करना है |

प्रश्न 1 अ	पुरे पाठ्यक्रम पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न (10)	10
प्रश्न 2	टिपणियाँ लिखिए (3में से 2)	10
प्रश्न 3	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए I (3में से 2)	10
प्रश्न 4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए I (2 में से 1)	10
B] अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा [Internal Evaluation] :		**अंक 10**
प्रश्न 1	पाठ्यक्रम से संबधित गृहपाठ, मौखिकी, तथा कक्षा अंतर्गत परीक्षा	10

रयत शिक्षण संस्था संचलित,

सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड (स्वायत्त)

(Choice Based Credit System)

एम.ए. 1 द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र – हिंदी साहित्य का इतिहास

जून 2023 से आगे

प्रकार – ME

पेपर कोड – HINME कोर्स क्रेडीट – 4

सत्र समाप्ति परीक्षा अंक – 80

अंतर्गत मूल्यमापन अंक – 20

कुल अंक- 100

अध्यापन तासिकाएँ - 60

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण UGC की मॉडल पाठ्यचर्या (NEP2020) के आलोक में किया गया है।

उद्देश्य- (Objective)

- छात्रों को मध्ययुगीन कवियों एवं काव्य कृतियों से परिचित कराना।
- युगीन परिवेश तथा काव्य कृतियों से परिचित कराना।
- प्रमुख कवियों की काव्य कृतियों का सूक्ष्म अध्ययन कराना ।
- पठित कवि तथा उनकी काव्य कृतियों का वर्तमान कालीन महत्त्व से परिचित कराना।

पाठ्यपुस्तक -

1. ' मीराबाई की पदावली ' - सं. आ. परशुराम चतुर्वेदी ।
2. ' रामचरितमानस ' - सं. आ. रामचंद्र शुक्ल ।
3. ' रीतिकाव्य धारा ' - कवि बिहारी सं. आ. रामचंद्र तिवारी ।
4. ' घनानंद कविता ' - सं. लक्ष्मीदत्त गौतम

विभाग Modul विभाग - 1 Modul -1	इकाई Topic पाठ्यपुस्तक : मीराबाई की पदावली, संपादक – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी	अध्यापन तासिका Teaching Hour 15	श्रेयांक Credit 1

	पाठ्य विषय : सगुण कृष्ण भक्ति काव्यधारा का स्वरूप मीराबाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय मीराबाई कालीन परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृतियॉं, मीराबाई की पदावली का अध्ययन पद – 1, 2, 20, 32, 36, 63, 111, 134, 156, 159, 175,1 76,,183,187, 188, 189, 192, 197, 198, 199 .		
विभाग - 2 Modul -II	पाठ्यपुस्तक : रामचरित मानस – संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल पाठ्य विषय : सगुण रामभक्तिधारा का स्वरूप तुलसीदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय तुलसीदास कालीन परिस्थितिया एवं काव्य प्रवृतियां रामचरित मानस का अध्ययन दोहे, चौपाइयाँ – 60 ,62,	15	1

	69, 70, 71, 81, 97, 101, 103, 106, 109, 110, 120, 123, 124,		
विभाग - 3 Modul -III	रीति काव्य धारा (कवि बिहारी) संपादक – आचार्य रामचंद्र तिवारी पाठ्य विषय : रीतिकालीन काव्यधारा : रीतिसिद्ध साहित्य का स्वरूप बिहारी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व् का परिचय बिहारी कालीन परस्थितियां, काव्य, प्रवृतियाँ, बिहारी के दोहो का अध्ययन (ससंदर्भ व्याख्या) दोहे : 36, 43, 53, 54, 62, 70, 78, 96, 107, 118, 119, 124, 127, 133, 147, 150, 157, 162, 200, 201,	15	1
विभाग- Modul-IV	पाठ्यपुस्तक : घनानंद कविता, संपादक - लक्ष्मीदत्त गौतम पाठ्यविषय : घनानंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय घनानंद कालीन		

	परिस्थितियाँ, काव्य प्रवृत्तियाँ रीतिकालीन काव्यधारा : | रीतिमुक्त साहित्य का स्वरुप घनानंद के दोहों का अध्ययन प्रेम व्यंजना, विरह वर्णन, स्वच्छंद योजना (संसदर्भ व्याख्या)		

संदर्भ :

1.मध्यकालीन काव्यधाराएँ एवं प्रतिनिधि कवि डॉ. राय ललन- हरियाना साहित्य.

2. तुलसी रसायन डॉ. मिश्र भगीरथ- साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद.

3. रामचरितमानस एक अध्ययन -डॉ. मिश्र रामप्रसाद भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली.

4. रीतिकाव्य की भूमिका डॉ. नगेन्द्र- नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी.

5. बिहारी काव्य का अभिनव मूल्यांकन- डॉ. किशोरीलाल- साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद.

6. बिहारी का नया मूल्यांकन- डॉ. सिंह बच्चन राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.

7. रीतिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि डॉ. सिंह बच्चन साहित्य सदन देहरादून.

8. बिहारी विभूति- डॉ. मिश्र रामकुमारी- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन **कुल अंक 80**

प्रश्न 1 अ. प्रश्न 1 ब.	बहुविकल्पी प्रश्न (10) एक वाक्य में उत्तर लिखिए (10)	10 10
प्रश्न 2	टिप्पणियाँ (3 में से 2)	20
प्रश्न 3	लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	20
प्रश्न 4 अ]	दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1)	20
B] **अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा पूरे** पाठ्यक्रम [Internal Evaluation] : **अंक -** Total marks - 20		
अ.	मौखिकी, गृहपाठ, कक्षा अंतर्गत परीक्षा, सेमिनार तथा प्रकल्प	20